S-362

Total Pages : 3 Roll No. .....

DPJ-103

विवाह मेलापक एवं गोचर विचार

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. विवाह कितने प्रकार के हैं? विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

2. भारत एवं भारतोत्तर देशों में विवाह की प्रथा का विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

अथवा

आसुर, गान्धर्व, राक्षस एवं पैशाच विवाहों का आधुनिक समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन करें।

3. वैधव्य योगों का वर्णन विस्तारपूर्वक करें।

4. विवाह मेलापक का क्या महत्त्व है विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

नाड़ी दोष का सपरिहार विवेचन कीजिए।

5. ग्रह मैत्री का परिचय देते हुए उसकी आवश्यकता क्या है विस्तारपूर्वक लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. ब्रह्म विवाह का परिचय दीजिए।

2. मिस्र और जापान की विवाह पद्धति पर टिप्पणी लिखिए।

3. विवाह समय का निर्धारण कैसे किया जाता है?

4. विवाह वर्ष विचार की समीक्षा कीजिए।

5. गुरुशुक्र का अस्तोदय विचार क्या है?

6. नाड़ी दोष की वैज्ञानिकता क्या है?

7. प्रश्न लग्न से अरिष्ट विचार कैसे किया जाता है?

8. लग्न के शुक्र का क्या फल है?